

1423

ASHA ARCHIVES



ASHA ARCHIVES

महाराष्ट्र शासनाच्या कार्यालयात
१४२३

१४२३
१४२३

ॐ नमो वदोय ॥ चं नमो ग्रीक क संवयाय ॥ समना ह ले दुमा व ध अ ए को ड
हि ना धी म ते व ऊ दा का य द्या कि नि ये कु व नि मि पं सु को न पि को या य गु धो ॥
य उ ठा लं न म डा व ल व ऊ का य छि ने सै ल प वे ध ना यो के कि ल्य प व डि न्य ता व ल
श न म स्व धा ॥ ॥ ध्यान ॥ ॐ स्वाहा वा सो हं सर्व भूमा श्व ता व सो हं ॥ स न्य गे
ज्ञान व ऊ स्वा हा वा न म को हं ॥ म हि गो स न्य ज्ञान त र्थ हं व ऊ जो तं श्री रा ठी वे र्ण क
पू मा पि टा स न स लि तं म हो तें ल वं का वि य र्था का ट मान दे व्या पि णी मे रु डा ॥
र्या ॥ व ऊ व ऊ घं लो ध र्य अप ल रु डा र्या ॥ ठा डे सु सा ति ल व र्य ॥ ह डि थं रु डा ॥
र्या ॥ न्द स लि तं ला गा ॥ व रु छे रु डा र्या ॥ प र्थ स र्या से ॥ पं थ स रु डा र्या ॥ क सि क प

२. खड्गमस्तुजात्या। प्रियवत्समदमिष्टिदादसुखं, वदुमचमिष्टि नार्तः कथं
मकसंतिष्ठं कथायमात्मा। कृतपाख्यं अहं सुखं धर्मेनः विस्ववज्जात्मा तमा
नः विकृष्टं लनं डतां कतिपयनः सुखमवादि यमा न्दी ते। बाधुदमानि सनं सा ह नय
सिन्धुमाया सत्ताधरात्मा नः। कलि को यय क कृष्टं सिन्धुमायानि विमुचिर्गं ज्ञात्वा यिः
तत्तममिष्टिमदोषकिर्तिनः। खलो यमिहा विमुचिर्गं विहाः खलिमन्दि हीमदिर्गं तस्या गता
तथा वेगि यक वेर्गं। न कमखादि सुजा प्रियं प्रम क कंसा न गता घदमेन्द्रि मेखया मस्तुजा
लिङ्गिनं कथायदस, दसुमाया दधी दया दकि न्य तडिय किदि सा। सर्वान य कर्तुः
निवडिका। कथायमा मित्र स हा न जाः शीव निवृद्धि र्गं पीया। अक्लो दया न म ह

या नाम दास बा क य नाम का । ॐ श्री वरु हें हें व ल वा हें । ॐ स क ति १ हूं रु ठ गू कू १ हूं हूं
 रु ठ कू प य १ हूं रु ठ । आ न यो दो रा ग व न वि श्या यो अ हूं रु ठ । द वि न ह से अ का य
 न स ख स लु । वा स हें स अ का ल न च लु सै स लु ॥ म हें द हें से हें ॥ यो दो ठ दो य
 ॥ ॥ ॐ ह सें ने दि स्वा दा ॥ वा ख ठ हें हें हें रु ठ रु ठ ॥ अ व अ गु वि न्या स ॥
 ॐ वं दा या दा मा हें हें हें रु ठ रु ठ ॥ ॥ खे व अ वि नान थो य ॥ ॐ ह ह द ये
 ह न दि सि व मि स्वा दा हें मि स्वा यो । वा ख द लु ध द ये हें हें दो । अ कू थो रु रु स वा ला
 रु द य ॥ थ त ऊ व या दा ग न न्या स ॥ ॐ व न ता । दो यो दो मा । ह द यो । दो मा व कः
 रु दा यो । सि व ठी । हें हें मि स्वा यो । रु रु रु रु । स वा ला थो गं द द य ॥ ॐ श्री वरु

ददयत्र कर्दंरुद ॥ दकिनिजातसम्वयं स्वादा ॥ उं ख लायाहे हेरुद ॥ सखदि धी
 ना ॥ उं घेनु यो दे सेव विघ्नानान्नो ययदं ॥ यकोदिसुन ॥ ॥ उं मेघ पिथी रं व
 अस्वादा ॥ वयिआ धिनिन ॥ उं आदं २ ॥ महु य धिसुन ॥ ॥ उं हदो दी अयस्वा
 दा ॥ पाकेन्यास ॥ ॥ पन पित्वा सन्य हा वय तः दी को व न य म हा ऊ नः मा को व न
 मा सकि कृष्णादि जु ओः व उ द स हं को व न अ को रा कृष्णा व धु व ऊ स ॥ त त य त क
 लान नु विरु द प स त य न दः सो दि अ ख ला दा ॥ उं स व रू को मि नि स व क भ ध न द
 व जि ना को ध स विस व ड व वा पि नि स व य र हं ॥ उं अ म तं अ मि ट प वं स हं स्या
 दा ॥ उं व उ रु म हं ॥ पूं ऊं उं अं लो यो यं मां को उं किं कं लै को दीं पं ठां सां स नं सिं मे

कौ॥ उं (भायति धेय त्वय कस्तुः कस्तु पञ्च को मया प को पया पक मम साय लभाः
 उं आसा नमो व कस्तुः उं या गो मय कस्तुः उं आन मान व कस्तुः ॥ न तो स्वरु य म को
 वजा ट व रु मा लु या पति कस्तु कस्तु का व ल कस्तु का व लु नोः हं हं का व ल ॥ आः
 वि का ली प की उ य म कस्तु कस्तु म या य म द कस्तु व पति न म व कस्तु म व उ वी क
 वि म वि कस्तु कस्तु गो व पस्तु (ध व या व न वी द ना स्त धा व ज म यः स क्त
 न स्त (ध व ज म ली म व त थो ठा त लो ग्री हं य क व ज ॥ ॥ व क्त वि मी
 हो व जः स्व ग यो (ध व व जः घा न यो हं व जः व ज के या गो व जः स सा मा रु य
 व जः स वा मा त ना रं म य व जः प थि वि धा उ पा ग निः आ प दा रु मा व ति न क
 धा उ या क र नि वा य हं उ य म नि रु ध व ली आ प सा दा उ य म नि वि नि नि ए व

ल (ध धा ली त ना व द व ता म दि ॥ हं का व ल य म कस्तु उं ग्री व ज हं हं य क व क्त
 ल का ये ॥ हं उं हं व द पा या व मा ना म य वि य क्त ल हा ॥ ॥ पा दा र्थि प य मी म ॥
 उं आ व ज हं हं य कस्तु हं हं ॥ उं कीः हं हं हं हं हं ॥ उं व ज र्वा य नि य हं हं हं ॥ उं स व
 व द दा कि नि य व ज व हं हं हं हं हं ॥ उं दा कि नि ये हं हं हं हं ॥ उं या म यि हं हं हं ॥ उं ख नु
 या हं हं हं हं ॥ उं य पि नी य हं हं हं ॥ उं व ज क या त ता हं हं हं ॥ उं स म य क या त को य हं हं
 हं हं ॥ उं वि म स ये क या त क हं हं हं ॥ उं क व र हं हं हं ॥ उं य व ली वि य हं हं हं ॥ उं क व र
 हं हं हं ॥ उं व ली वि ये हं हं हं ॥ उं व ह र हं हं हं ॥ उं य ता म ठि य हं हं हं ॥ उं आ म
 य र म दा ना सा य हं हं हं ॥ उं का त य र वि य मि म दि य हं हं हं ॥ उं कीः र व व वि य हं हं

[illegible]

ॐ अमदा काय हं हं ॥ ॐ अमद क्षि निय हं हं ॥ ॐ येम सखि निय हं हं ॥ ॐ वदु गाय हं
हं ॥ ॐ गदा गाय हं हं ॥ ॐ जा यो क य हं हं ॥ ॐ क य क क्षि व ना य हं हं ॥ ॐ अ ह हा सा
य हं हं ॥ ॐ व सी कु न नि वा स नि य हं हं ॥ ॐ घा ला ध का य य हं हं ॥ ॐ कि लि क य य
हं हं ॥ ॐ य सी ॥ ॥ प रु प दा य य ॥ ॥ ॐ व ज स स स ग म क व ज व ल ग ना
कु म ॥ व ज ध स ग य य न ॥ व ज क म क यो कु क ॥ ॥ ॐ व ज वि द हं ॥ ॐ व ज व स य
ॐ व ज म द ग ॥ ॐ व ज म य ज ॥ ॐ व ज द हं ॥ ॐ व ज ग हं ॥ ॐ व ज स ग न द ॥
ॐ व ज य हं ॥ ॐ व ज ध य ॥ ॐ व ज ग न द ॥ ॐ व ज ग य म ॥ ॐ व ज द हं ॥ ॐ व स
व ज ॥ ॐ य स व ज ॥ ॐ ध स व ज ॥ ॐ न स स हं न मा मि हं न मा न स स हं न मा न स

वडासाहाय्यम् ॥ सुदि ॥ सवस्त्रज्ञानसद्वहः अगदह्यसाधकः चित्तानाम्
विवहृत्याऽपि सप्तयेनमासुते ॥ तयन्तु ॥ उं नमास्तुतये विनेसायहं
ह ॥ उं महाकपाती वसुनिहायहं ह ॥ उं अदामकृती काकायहं ह ॥ उं उतावयालो
हिरनमूषायहं ह ॥ उं सदगुरुजसासकयायहं ह ॥ उं यत्रासास्वयकमलखला
भयितहं ह ॥ उं वासुतिं जीनविबधयायहं ह ॥ उं महाधमाधकायावयाखायहं ह
॥ हं हि आदियाऽपि ॥ अन्तिमन्याता नमययैतैर्वहं हं निरुति विस्ते
अवयवतं कुरु कोयायविकृतायाऽपि ॥ यदुत्रसंवतुष्टावसुसुवनेमहिर्गतावाह
हायैमोहाकिंकीनिर्जोयुमिर्नखविठिवज्रवत्तुष्टावनिर्हसधिकृतमुहसः

हिलेकुर्यकदिद्यहं यतासास्वकक्रियासयादि विमुक्तिदेवतदययिकायपयिनेतयि
स्वपमेमादयकुरुकाकसयान्तिना गदयिआलिकातीदीनैंगुनवदुसूर्यमसु ॥ यमः
सापयिआधयाधमत्तुयसुष्टीदयकसमासुत्रयैवितोका नमवस्त्रज्ञानसत्तादिहिगाः
गनिमालयैरुहं ॥ याचनादिविद्यासदितैरुयधजयगाकावक्तुवादिक्तुगिगनय
ययकैकमायिदिहि ॥ कयकिमलयावडितवाधिविहिमयैकुयसुखिषयमनिः
पृथमहिस्त्रियामानयवज्रादिहि ॥ ययनियमानेमेगालगीदिहि ॥ अतिषयकामदावज
यिषमकुवनमस्तुतेददामिस्तवद्वाना ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ सवतथागतिमः
मयद्यैयहं ॥ हं दगसवद्वानातिषमकुवनकुरुययाकैपञ्जनाधायमकनयसु

बहवः॥ॐ सवधवदामहिमकृष्टयतिष्ठ स्वाहा॥मकृत्तननाय॥ ॥ॐॐवे
 नमतिष्ठिच्छहं॥ॐ वलवतिअतीरिच्छुकी॥ॐ धर्मवतिअतिष्ठिच्छुकी॥ॐ कम
 वतिअतिष्ठिच्छुकी॥ॐ उदकमकृष्टवदयच्छिनामातिष्ठिकापुच्छिनामातिष्ठिका॥ॐ यच्छु
 बहमवकायवाटअर्धपुतिष्ठु स्वाहा॥ ॥पृथोन्यास॥ॐ आर्योवायवनाय
 वज्रपृथपुतिष्ठु स्वाहा॥ॐ आर्योअक्रायावज्रपृथपुतिष्ठु स्वाहा॥ॐ आर्योवह
 सहवायवज्रपृथपुतिष्ठु स्वाहा॥ॐ आर्योअमिताववायवज्रपृथपुतिष्ठु स्वाहा॥
 ॐ आर्योअमकसिद्धीयवज्रपृथपुतिष्ठु स्वाहा॥ॐ आर्योवावतावज्रपृथपुतिष्ठु
 स्वाहा॥ॐ आर्योसामकियवज्रपृथपुतिष्ठु स्वाहा॥ॐ आर्योपादावायवज्रपुतिष्ठु

ओ ति का ति

स्वाहा॥ॐ आर्योतावायवज्रपृथपुतिष्ठु स्वाहा॥ ॥पृथोन्यास॥ॐ आर्योवायवनाय
 वज्रपृथपुतिष्ठु स्वाहा॥ॐ आर्योअक्रायावज्रपृथपुतिष्ठु स्वाहा॥ॐ आर्योवह
 सहवायवज्रपृथपुतिष्ठु स्वाहा॥ॐ आर्योअमिताववायवज्रपृथपुतिष्ठु स्वाहा॥
 ॐ आर्योअमकसिद्धीयवज्रपृथपुतिष्ठु स्वाहा॥ॐ आर्योवावतावज्रपृथपुतिष्ठु
 स्वाहा॥ॐ आर्योसामकियवज्रपृथपुतिष्ठु स्वाहा॥ॐ आर्योपादावायवज्रपुतिष्ठु
 स्वाहा॥ॐ आर्योतावायवज्रपृथपुतिष्ठु स्वाहा॥ ॥पृथोन्यास॥ॐ आर्योवायवनाय
 वज्रपृथपुतिष्ठु स्वाहा॥ॐ आर्योअक्रायावज्रपृथपुतिष्ठु स्वाहा॥ॐ आर्योवह
 सहवायवज्रपृथपुतिष्ठु स्वाहा॥ॐ आर्योअमिताववायवज्रपृथपुतिष्ठु स्वाहा॥
 ॐ आर्योअमकसिद्धीयवज्रपृथपुतिष्ठु स्वाहा॥ॐ आर्योवावतावज्रपृथपुतिष्ठु
 स्वाहा॥ॐ आर्योसामकियवज्रपृथपुतिष्ठु स्वाहा॥ॐ आर्योपादावायवज्रपुतिष्ठु

7423

ASHA ARCHIVES

1423

ASHA ARCHIVES

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

Kohle

दृक्काममुद्रयनकमयाय। सम्यक्कानावहाएनकयायनमहं। नमस्ते नमस्ते
 नमो नमः तस्मादं त्वानमस्यामि मुद्रया ये पुनिधामे ॥ १ ॥ यस्यापुसादकिं
 त्वं दृष्टिमान्महत्त्वं। यत्नेषु तापयिकयायुहताभकाया ॥ चक्षुर्न नात्र दृष्टोऽसः
 विद्यासमवेत्तुमेनमस्तु मित्रियं मुद्रया त्वयाय ॥ २ ॥ नमो वृक्षाय मुद्रयः
 नमो अस्मो यतात्र न। नमो संद्याय महर्कमे। यिहो यिमहर्कनाम ॥ ३ ॥
 सर्वेष्वन्तमस्यामि। धर्मकुजिनहासि। संद्योक्त्याय संपन्नः यत्नेषु यमस्यः
 दौ ॥ ४ ॥ सर्वपुतिदिमापयः। नमो अजगत्पन्ना। वृक्षवात्स्यदं मनः ॥
 वात्स्योऽयमेयामी ॥ ५ ॥ वृक्षमोहात्स्य। वत्स्यतिर्न कयास्यः स्वपयाः

[illegible]

धेयुधमिषयापुनरागतसनायसहनेसहवनेमहासाहा॥ उं वक्रमकुवम ॥
 ऋतिविसर्गदा ॥ ॐ ॥ भुक्त ॥ ॐ वज्रो म्हाद ० द ॥ ॐ नैक २
 मेहनय्य स्वाहा ॥ मन्त्राकिनिउलत्रयविलायजगिनिर्वकालजंयमि
 नतनापत्रमयकेलभमाकात्रजंभुक्तधम्मोदयानलम् विलाय १:
 नदनस्यसुविजविष्णुकायविष्णुभम्भस्वस्वदवनाविचिक्तस्वद्वीजः
 मयस्वीयकेलोत्तानसत्त्वमानियपुनतादस्यदद्यात् ॥ तच्चैसमयसत्त्वयवः
 (॥ मस्वानागदविनुयवाधिविर्लब्ध्यामनहनचिक्तयत् विष्णुवसमः
 यवदवनास्त्वाननकेहनचिक्तयत् ॥ ॐ सर्वनथागममहाया

